चिनार के पेड़ों के लिये आधार

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस]

जम्मू और कश्मीर (J&K) सरकार ने क्षेत्र के प्रतिष्ठित **चिनार के पेड़ों (*????????? ?????????? ???. ?????????????*) को संरक्षित करने के लिये "ट्री आधार" मिशन की शुरुआत की है,** जिसके तहत पेड़ों की [जियो-टैगिंग] और **मैपिंग की जाएगी, जिससे विस्तृत जनगणना** के माध्यम से प्रत्येक पेड़ को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी।

चिनार का वृक्ष:

- **प्रकार:** *??????????? ????????? ??* पर्णपाती वृक्ष।
- **विशेषताएँ:** यह पूर्वी हिमालय के **ठंडे, जल-समृद्ध क्षेत्रों में मूल रूप से पाया जाता है, जिसकी लंबाई 10-15 मीटर की परिधि** के साथ **30 मीटर** तक हो सकती है।
  - इसे **परिपक्व होने में 30-50 वर्ष तथा पूर्ण आकार तक पहुँचने में 150 वर्ष** तक का समय लगता है।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - [आईयूसीएन:] **अपर्याप्त आँकड़े**
  - महत्त्व: मुगल काल (जहाँगीर) के दौरान नामित यह वृक्ष, जम्मू-कश्मीर का राज्य वृक्ष है, तथा विशेष रूप से शरद ऋतु में एक प्रमुख पर्यटक आकर्षण है।
    - यह स्थानीय कला, साहित्य और शिल्प जैसे **पेपर-मैचे और कालीनों या (कारपेट) में सांस्कृतिक महत्त्व** रखता है।

वृक्ष आधार मिशन:

- **वर्ष 2021** में शुरू किया गया यह मिशन **अनाधिकृत कटाई को रोकने** के लिये चिनार के पेड़ों पर निगरानी रखता है।
- 28,560 से अधिक पेड़ों को अद्वितीय वृक्ष आधार संख्या के साथ **जियो-टैग** किया गया है।
- **प्रत्येक पेड़ पर GIS तकनीक** का उपयोग करते हुए एक **QR कोड** लगाया गया है, जो उसके स्थान, ऊँचाई, परिधि, स्वास्थ्य और पारिस्थितिक खतरों के बारे में विवरण प्रदान करता है।

और पढ़ें: [IUCN का पहला वैश्विक वृक्ष मूल्यांकन]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/aadhaar-for-chinar-trees